Nai Dunia (Indore), 11th September 2021, Page-2

एनआइआरएफ रैंकिंग पांच मापदंडों पर जारी हुई रैंक, अब अपनी रैंक सुधारने के लिए दोनों बड़े संस्थानों ने लक्ष्य तय किए

आइआइएम बढ़ाएगा रिसर्च प्रोजेक्ट, आइआइटी करेगा पेटेंट पर काम

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फेमवर्क (एनआइआरएफ) ने गुरुवार को देशभर के छह हजार शैक्षणिक संस्थानों की रैंकिंग जारी की, जिसमें भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर की छठी और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर की 13वीं रैंक आई। अब दोनों संस्थान अपनी रैंक बेहतर बनाने में जुट गए हैं। आइआइएम इंदौर जहां बाकी मापदंड पर पूरे करने के अलावा रिसर्च प्रोजेक्ट पर ध्यान दे रहा है। वहीं, आइआइटी इंदौर ज्यादा से ज्यादा रिसर्च और पेटेंट अपने नाम दर्ज करवाने पर ध्यान दे रहा है।

पांच मापदंडों पर रैंक : केंद्र सरकार ने 2016 से संस्थानों को रैंकिंग देनी शुरू की है। तब 500-700 संस्थानों ने आवेदन किया था। मगर साल-दर-साल इनकी संख्या बढ़ने लगी है। अब कालेज, विश्वविद्यालय व निजी विश्वविद्यालयों की संख्या छह हजार तक पहुंच चुकी है, जिन्हें अलग-अलग श्रेणी में रखा है। इसमें फार्मेसी, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, ला, विश्वविद्यालय, मेडिकल शामिल हैं। संस्थानों को एनआइआरएफ ने पांच अलग-अलग मापदंडों पर रखा है, जिसमें टीचिंग-लर्निंग रिसोर्सेस, रिसर्च, ग्रेजुएशन आउटकम, विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात, पेटेंट शामिल हैं।

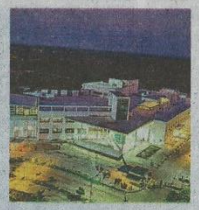

आइआइएम	वर्ष	आइआइटी
10	2016	16
10	2017	15
11	2018	14
5	2019	13
7	2020	10
6	2021	13

नए क्षेत्र में करेंगे रिसर्च

देशभर के बेहतरीन इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट की सूची में शामिल आइआइटी इंदौर अपनी रैंकिंग लगातार सुधारने में लगा है। शुरुआत से टाप 20 में रहने वाले इस संस्थान ने बीते साल टाप 10 में जगह बनाई, लेकिन इस साल भी रैंक थोड़ी आगे खिसक गई। 13वें स्थान पर आए आइआइटी इंदौर शोध को अपना मजबूत पक्ष मानता है और अगले साल भी रैंक बेहतर करने की दिशा में अभी से जुट गया है। रिसर्च और पेटेंट की संख्या बढ़ाने जा रहा है। कुछ महीनों में संस्थान के पास सात अलग-अलग क्षेत्र में पेटेंट दर्ज हो चुके हैं। यहां तक कि नए क्षेत्र में रिसर्च की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है।

> अभी जिन मापदंडों पर संस्थान का अच्छा प्रदर्शन रहा है। उस पर अगले साल भी बराबर ध्यान दिया जाएगा। वे बताते हैं अगले साल निजी संस्थान व उद्योगों के लिए रिसर्च प्रोजेक्ट करेंगे ताकि अन्य संस्थानों से भी अनुदान मिल सके।
>
> **- प्रो. हिमांशु राय**
> निदेशक आइआइएम इंदौर

सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर अलग-अलग दिशा में काम कर रहे हैं। वैसे कोरोनाकाल में कई अच्छी रिसर्च हुई है, जिनके परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

- प्रो. नीलेश जैन
निदेशक, आइआइटी इंदौर

निजी संस्थान के लिए शोध

2016 से मिलने वाली रैंक में आइआइएम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। सिर्फ एक साल संस्थान टाप 10 की सूची से बाहर हुआ था, बाकी हर साल 10 सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन संस्थानों के बीच आइआइएम ने जगह बनाई है। बीते साल से एक पायदान ऊपर आए आइआइएम ने टीचिंग से आने वाली फीस के अलावा संस्थान का रेवेन्यू बढ़ाने के दूसरे विकल्प पर भी विशेष ध्यान दिया है। संस्थानों के अधिकारियों को प्रबंधन की बारीकियां सिखाने के लिए कई एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम चलाए, जिससे संस्थान की आय बढ़ी है। सामाजिक कार्यों व अन्य सरकारी एजेंसी के लिए कंसल्टेंसी भी की। रिसर्च की संख्या बढ़ाई। उससे रैंक सुधरी।